# भोर भई दिन चढ़ गया मेरी अम्बे

भोर भई दिन चढ़ गया मेरी अम्बे
हो रही जय जयकार मंदिर विच, आरती जय माँ
हे माँ शेरांवाली, आरती जय माँ
हे पहाड़ा वाली, आरती जय माँ।

काहे की मईया तेरी आरती बनावां -2
काहे की पावां विच बाती मंदिर विच,
आरती जय माँ।
हे माँ शेरांवाली.....

सर्व सोने दी तेरी आरती बनवा-2
अगर कपूर पांवा बाती मंदिर विच,
आरती जय माँ।
हे माँ शेरांवाली.....

कौन सुहागन दीवा बलिया मेरी मईया-2
कौन जागेगा सारी रात मंदिर विच,
आरती जय माँ।
हे माँ शेरांवाली.....

सर्व सुहागन दीवा बालेया मेरी मईया-2
जोत जगेगी सारी रात मंदिर विच,
आरती जय माँ।
हे माँ शेरांवाली.....

जुग जुग जीवे तेरा जमुएं दा राजा-2
जिस तेरा भवन बनाया मंदिर विच,
आरती जय माँ।
हे माँ शेरांवाली.....

सिमर चरण तेरे ध्यानू यश गावे,
जो ध्यावे सो यो फल पावे,
रख बाणे दी लाज मंदिर विच,
आरती जय माँ।
हे माँ शेरांवाली.....

भोर भई दिन चढ़ गया मेरी अम्बे-2
हो रही जय जयकार मंदिर विच ,आरती जय माँ
हे माँ शेरांवाली, आरती जय माँ
हे पहाड़ां वाली, आरती जय माँ।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33107/title/Bhor-Bhai-Din-Chad-Gaya-Meri-Ambe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |